मेवाड़ में महाराणा प्रताप की 477वीं जयंती व बुद्ध पूर्णिमा समारोहपूर्वक मनाई

देश को चाहिएं प्रताप जैसे नौजवान- डॉ.गदिया
- 'महापुरुषों की कहानियां सुनाकर बच्चों को बनाएं साहसी व निर्भीक'
- विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधा

गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के विवेकानंद सभागार में महाराणा प्रताप की 477वीं जयंती व भगवान गौतम बुद्ध पूर्णिमा समारोहपूर्वक मनाई गई। इस मौके पर विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर खूब समां बांधा। मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने इस मौके पर कहा कि कलियुग में कोई भगवान अवतार नहीं लेने वाला, इन्हीं युवाओं में से ही कोई रणबांकुरा महाराणा प्रताप और गौतम बुद्ध बनकर निकलेगा और देश की अस्मिता व अक्षुण्णता की शपथ लेगा।

उन्होंने महाराणा प्रताप के जीवन की कहानी इस मार्मिक अंदाज में सुनाई कि श्रोताओं के जहन से हृदय तक शब्दचित्र उतरते चले गए। हल्दीघाटी का वर्णन अद्भुत था। उन्होंने महाराणा प्रताप को साहसी, एकता की मिसाल कायम करने वाला, अपने सिपहसालारों को रिश्तेदारों से भी अधिक चाहने वाला, शौर्यवान, धैर्यशील, फुर्तीला और विपरीत परिस्थितियों में भी दुश्मनों के दांत खट्टे करने वाला बताया। उन्होंने बताया कि देश के लिए घास की रोटियां खा आदिवासियों के बीच रहकर अपने वतन के लिए संघर्ष करने वाला कोई विरला ही अब पैदा होगा।

उन्होंने भगवान गौतम बुद्ध को मध्यम मार्ग पर चलने वाला बताया। उन्होंने बताया कि भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद इंसान को इंसान बनाने और धर्म की पुनःस्र्थापना का बीड़ा उठाया। भगवान बुद्ध ने अष्टांग विधि से अपने कष्टों व दुखों के निवारण की बात कही है। आज भी हम इस अष्टांग विधि से अपने दुखों व कष्टों पर पार पा सकते हैं।

इससे पूर्व इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल व विशिष्टि अतिथि धर्मेन्द्र सिंह ने मां शारदे, भारत माता, महाराणा प्रताप एवं भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और दीप प्रज्ज्वलित किया। समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। प्रीति, ज्योति, गौरव सिंह, आरती शुक्ला, विकल्प, शुभम, शिवम, ऐश्वर्या, पूजा, प्रतिभा एंड ग्रुप, कनिका, अनुराग माहेश्वरी, सोनम सिंह आदि विद्यार्थियों ने गौतम बुद्ध पर आधारित उपदेश, भजन, कविताएं, पॉवर प्वाइंट प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। समारोह में तमाम फैकल्टी सदस्य व छात्र-छात्राएं मौजूद थे। समारोह का सफल संचालन अमित पाराशर ने किया।

The secret of
Health for Both Mind &
Body is not to Mourn
For the Past, nor to
Worry about the Future,
But to live the Present
The god Mara, the Evil One, went back to his celestial realm and brought his army drawn out for battle. But the Future Buddha won a peaceful victory over Mara with the power of loving kindness, which he had practiced in his many past